ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :26.09.2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-09-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-09-23	2023-09-24	2023-09-25	2023-09-26	2023-09-27
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	1.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	23.0	23.0	23.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	12.0	12.0	12.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	90	90	90	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	55	50	50	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	130	110	70	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	2	4

सम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 29 और 30 सितंबर को 1 मिमी की हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस और 12.0 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 6 किमी/घंटा की गति से हवा चलने का अनुमान है। अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी तूफान आने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

सप्ताह (22-28 सितंबर) के लिए पूर्वानुमान बड़े पैमाने पर कम वर्षा का संकेत देता है। साप्ताहिक औसत वर्षा सामान्य वर्षा यानी 51.9 मिमी दर्शाती है। एनडीवीआई रेंज क्षेत्र में मध्यम कृषि गतिविधि को इंगित करती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्रा इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

पूर्वानुमान में आगामी सप्ताह के दौरान हल्की बूंदाबांदी के साथ शुष्क मौसम का संकेत दिया गया है तो कृषि गतिविधियां समय पर की जनि चाहिये।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।पकी हुई अगेती किस्मों की कटाई करनी चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
रागी	प्रजनन अवस्था / परिपक्वता	बाजरा की देर से पकने वाली किस्मों में फसल की निगरानी करते रहें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुंचाता है। इसकी रोकथाम के लिए फिप्रोनिल 5 एस. सी. 1 लीटर या कॉरटाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लू. पी. 600 ग्राम या क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. 2. 5 लीटर 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। बाजरे की पकी हुई किस्मों की कटाई कर लेनी चाहिए।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए।सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए । सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई करनी चाहिए।
मूँग/ काला चना	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	परिपक्व फसल की कटाई की जानी चाहिए और खरीद/खपत के लिए भंडारण किया जाना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	फसल की नियमित निगरानी करें और तना छेदक मक्खी की उपस्थिति में क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी 150 मि.ली. के दर से 700-800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें । यह प्रयोग गर्डल बीटल के लिए भी प्रभावी है। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फूल/फली बनना	फलियां आने पर खेत सूखा ना रहे इसके लिए हल्की सिंचाई पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें। फली बेधक कीट के दिखने पर 5 -6 फेरोमोन प्रपंच/हेक्टर की दर से फसल में फूल आते समय खेत में लगाए। यदि 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो निम्नलिखित में से एक दवा का प्रयोग करे एन. पी. वी 500 सुंडी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./ हैक्टर की दर से छिड़काव करें। निबोली 5 % + 1 % साबुन का घोल तथा इन्डोक्साकार्ब 14. 5 ई. सी. की 353 -400 मि. ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस. जी. की 220 मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।

तोरिया (लाही/घरिया) एवं पीली सरसों (राई)	बुवाई	घाटियों और निचले इलाकों में चावल की कटाई के बाद और मध्यम और ऊंची पहाड़ियों में दालों और बाजरा की कटाई के बाद, तोरिया और पीली सरसों की फसल सितंबर के अंत और अक्टूबर के पहले पखवाड़े के बीच बोई जानी चाहिए। बुआई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 सेमी तथा मेड़ों से 30 सेमी बनाये रखनी चाहिए । बीजों को मेटालेक्सिल 35 डब्लू.एस.4 ग्राम/किलो बीज के दर से उपचारित करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	अंकुरित पौधा	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मीट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। छिड़काव साफ़ मौसम की स्थिति में किया जाना चाहिए।
मूली/ गाजर	बुआई/अंकुरण	खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए।
सेम/बाकला	बुवाई	इस माह में बुआई की जा सकती है। सभी कृषि गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सिट्रस	फ्रूटिंग	यदि सिट्रस पीला मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं तो संक्रमित टहनियों की छंटाई करें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 1 मिली/3 लीटर पानी या थियामिथोक्सेम 25% डब्ल्यूजी 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीट की प्रारंभिक उपस्थिति के दौरान थियामिथोक्सेम का पहला छिड़काव करें और कीट की तीव्रता के स्तर के आधार पर 15-21 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव दोहराएं।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
पोल्ट्री	नमी की वजह से आहार में फफूॅंदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से अपलाटाॅक्सीकोशिश नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।